# Shivaji University,Kolhapur

# Course Work for Ph.D. / M.Phil. ( HINDI )

# शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

# कोर्स वर्क

# पीएच.डी./एम.फिल (हिंदी)

जून 2011 से ( Introduced from june 2011)

# Course Work

## शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

जून 2011 से

पीएच.डी / एम.फिल (हिंदी)

प्रश्नपत्र क्र. - II

## हिंदी साहित्य अध्ययन के अधुनातन आयाम

उद्देश्य :

- हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित कराना।
- मध्ययुगीन तथा आधुनिक बोध का परिचय कराना।
- साहित्य के विविध मतवारों का अध्ययन कराना।
- साहित्य और भारतीय संविधानिक व्यवस्था का अध्ययन कराना।
- साहित्य का अंतर्विधा रक अध्ययन कराना।

---

### **इकाई - I** - हिंदी साहित्य से संबधित विशिष्ट मतवाद

i) गांधीवाद
ii) समाजवाद
iii) संरचनावाद
iv) अभिव्यंजनावाद
v) नव्य अभिजात्यवाद

### **इकाई - II** - साहित्यिक विमर्श

i) आदिवासी विमर्श
ii) स्त्री विमर्श
iii) दलित विमर्श
iv) मानवाधिकार

### **इकाई - III** - आधुनिक शोध (समीक्षा) पद्धतियाँ

i) सौंदर्य शास्त्रीय प्रवृत्ति
ii) शैलीवैज्ञानिक पद्धति
iii) समाजशास्त्रीय पद्धति
iv) ऐतिहासिक पद्धति

**इकाई - IV** - आधुनिक हिंदी आलोचना के आधारस्तंभ

i) नंददुलारे वाजपेयी
ii) रामस्वरूप चतुर्वेदी
iii) विश्वनाथ तिवारी
iv) रमेशकुंतल मेघ
v) रामदरश मेघ
vi) डॉ. राजमल बोरा

---

संदर्भ ग्रंथ :

1) महाश्वेतादेवी , स्त्री पर्व , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2) राधाकुमार ,स्त्री संघर्ष का इतिहास 1800–1900, , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3) डॉ. के.एस.मालती ,स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य –2010 , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4) पुन्नीसिंह,कमलाप्रसाद, राजेंद्र शर्मा,भारतीय दलित साहित्य : परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5) शरणकुमार, दलित ब्राह्मण , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6) कृष्णदत्त पालीवाल ,दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

7) चंद्रबली सिंह , आलोचना के जनपक्ष , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8) राममूर्ति त्रिपाठी , अर्धशती का भारतीय काव्यचिंतन : पक्ष और विपक्ष , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

9) डॉ. रामविलास शर्मा , भाषा युगबोध और कविता , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

10) शिवकुमार मिश्र , दर्शन साहित्य और समाज , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11) कृष्णदत्त पालीवाल , हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

12) कृष्णदत्त पालीवाल , हिंदी आलोचना के नये वैचारिक सरोकार , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

13) देवीशंकर अवस्थी , रचना और आलोचना , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

14) जगदीश्वर चतुर्वेदी , स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली

15) 'दिनकर' , साहित्य और समाज ,लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

16) दिनकर', संस्कृति के चार अध्याय ,लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

17) डॉ. बच्चन ,साहित्य का समाजशास्त्र ,लोकभारती प्रकाशन नई दिल्ली

18) डॉ. सुरेश राय , शैली विज्ञान , वाणी प्रकाशन , दिल्ली

19) पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु' , शैली और शैली विश्लेषण , वाणी प्रकाशन , दिल्ली

---

| प्रश्नपत्र का स्वरूप | | कुल - 100 अंक |
|---|---|---|
| प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) | - | 25 अंक |
| प्रश्ऩ 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) | - | 25 अंक |
| प्रश्ऩ 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) | - | 25 अंक |
| प्रश्ऩ 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) | - | 25 अंक |

---

## पीएच.डी / एम् फिल. (हिंदी)
## प्रश्नपत्र - III ( वैकल्पिक )

## प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

उद्देश्य :

- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के उद्भव, विकास का अध्ययन कराना ।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य विकास के समसामयिक परिवेश का अध्ययन कराना।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियों का अध्ययन कराना ।
- प्राचीन तथा मध्यकालीन कवियों तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना ।
- छात्रों को विशेष कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के महत्त्व तथा उनके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

---

### इकाई - I - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्यधाराएँ

i) प्राचीन काव्य : कालावधि, परिवेश अथवा परिस्थितियाँ, कवि, विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ

ii) पूर्व मध्यकालीन काव्य : कालावधि, परिवेश अथवा परिस्थितियाँ, कवि, विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ

iii) उत्तर मध्यकालीन काव्य : कालावधि, परिवेश अथवा परिस्थितियाँ, कवि, विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ

### इकाई - II - निर्गुण काव्यधारा

i) कबीर , 'कबीरग्रंथावली' - हजारीप्रसाद द्विवेदी (संपा)

ii) जायसी , 'पद्मावत' - आ. शुक्ल (संपा)

### इकाई - III - सगुण काव्यधारा

i) सूरदास , 'सूरसागर' - सूरदास

ii) तुलसीदास , 'रामचरितमानस' - तुलसीदास

### इकाई - IV - रीतिकाव्यधारा - डॉ. तिवारी रामचंद्र

i) केशव ii) घनानंद

iii) बिहारी iv) भूषण

संदर्भ पुस्तकें :

1) आ. शुक्ल रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी

2) डॉ. सिंह बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998

3) डॉ. राजपाल हुकुमचंद्र, प्राचीन तथा मध्यकालीन काव्यधारा भाग - 1, हरियाणा साहित्य अकादमी, हरियाणा, 1979

4) डॉ. चतुर्वेदी परशुराम, उत्तर भारत की संत परंपरा, साहित्य भवन , प्रयाग

5) डॉ. त्रिपाठी राममूर्ति, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका, मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1973

6) डॉ. जोशी शिवलाल, रीतिकालीन साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, साहित्य सदन, देहरादून, प्र. सं. 1962

7) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी (व्याख्याकार), कबीर, नागरी प्रचारिणी सभा, वारााणसी

8) आ. शुक्ल रामचंद्र (व्याख्याकार), पद्मावत (जायसी),नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

9) सूरसागर, सूरदास, चौखंबा प्रकाशन, चौक वाराणसी

10) रामचरितमानस , तुलसीदास, चौखंबा प्रकाशन, चौक वाराणसी

11) डॉ. तिवारी रामचंद्र , रीतिकाव्यधारा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, इलाहाबाद

13) आ. चतुर्वेदी परशुराम, संतबानी संग्रह, कबीर साहित्य चिंतन स्मृति प्रकाशन ,इलाहाबाद, 1970

15) डॉ. तिवारी पारसनाथ, कबीर जीवन और दर्शन, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद ,1978

17) डॉ. गुप्ता सरोज , रामचरितमानस की सूक्तियों का विवेचनात्मक अध्ययन, राजस्थान प्रकाशन, जयपुर

18) डॉ. वचनदेव कुमार , रामचरितमानस में अलंकार योजना, हिंदी साहित्य संसार,पटना

19) डॉ. संसारचंद्र, संक्षिप्त बिहारी, रामचंद्र एण्ड कम्पनी, दरियागंज , दिल्ली

20) डॉ. तिवारी भगवानदास, संक्षिप्त भूषण, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद

21) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी (संपा.) , कबीर , नागरी प्रचारीणी सभा ,काशी

22) आ. रामचंद्र शुक्ल (संपा.) , जायसी , नागरी प्रचारीणी सभा ,काशी

23) सूरदास , सूरसागर , नागरी प्रचारीणी सभा ,काशी

24) तुलसीदास , रामचरितमानस , नागरी प्रचारीणी सभा ,काशी

25) डॉ. रामचंद्र तिवारी , रीतिकाव्यधारा , नागरी प्रचारीणी सभा ,काशी

---

| प्रश्नपत्र का स्वरूप | कुल - 100 अंक |
|---|---|
| प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) | - 20 अंक |
| प्रश्ऩ 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) | - 20 अंक |
| प्रश्ऩ 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) | - 20 अंक |
| प्रश्ऩ 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) | - 20 अंक |

**Note** : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

# Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम.फिल हिंदी

प्रश्नपत्र– III (वैकल्पिक)

## आधुनिक हिंदी कविता

उद्देश्य :

- आधुनिक हिंदी कविता के विकास का अध्ययन कराना ।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के समसमायिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- आधुनिक हिंदी कविता की विकास प्रक्रिया के हर दौर की काव्य प्रवृत्तियॉ अथवा विशेषताओं का अध्ययन कराना।
- आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न काव्य रूपों का अध्ययन कराना ।
- विशिष्ट आधुनिक कवियों की काव्यकृतियों अथवा कविताओं का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को आधुनिक कवियों तथा उनकी काव्यकृतियों से परिचित कराना ।
- छात्रों को पठित कवि तथा उनकी काव्यकृतियों के महत्त्व एवं उनके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

---

## इकाई - I - आधुनिक हिंदी कविता : विकास

i) कालावधि और नाम .– भारतेंदु , म.पसाद्र. द्विवेदी , छायावादी , उत्तर छायावादी , प्रगतिवादी, प्रयोगवादी , नई कविता , समकालीन कविता / साठोत्तरी कविता

ii) परिवेश अथवा परिस्थितियॉ

iii) कवि तथा रचनाएँ

iv) विशेषताएँ अथवा प्रवृत्तियाँ ।

## **इकाई - II** अध्ययनार्थ कृतियाँ - **भाग** - I

i) **दिपशिखा** : महादेवी वर्मा , भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली 2008.
ii) अपरा : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली.

## **इकाई - III** अध्ययनार्थ कृतियाँ - **भाग** - II

i) मुक्तिबोध : प्रतिनिधि कविताएँ : मुक्तिबोध , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली.
ii) **अग्निलीक , भारतभूषण अग्रवाल ,**

## **इकाई - IV -** अध्ययनार्थ कृतियाँ - **भाग** - III

i) **निर्वाण , हरिशंकर आदेश , नटराज प्रकाशन , नई दिल्ली , 2008**

ii) वाजश्रवा के बहाने : कुंवरनारायण , भारतीय ज्ञानपीठ ,नई दिल्ली 2008

-----------

संदर्भ ग्रंथ सूची

वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली – 2009

1. बलदेव वंशी – आधुनिक हिंदी कविता में विचार
2. तनुजा मुजुमदार – आधुनिक हिंदी स्वच्छंदतावादी ,कविता में सार्वभौमिकता
3. सं. विनोद गोदरे – आधुनिक प्रबंध काव्य : संवेदना के धरातल
4. डॉ. नगेंद्र – भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव
5. डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय – भारतीय काव्य विमर्श
6. प्रेमशंकर – भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद
7. हरमोहन लाल सूद – भारतीय स्वच्छंदतावाद और छायावाद
8. डॉ. रामविलास शर्मा – भाषा, युगबोध और कविता
9. विजय शंकर मल्ल – हिंदी काव्य में प्रगतिवाद और अन्य निबंध
10. केदारनाथ सिंह – कल्पना और छायावाद

11. अरूण कमल – कविता और समय

12. भगवत रावत – कविता का दूसरा पाठ और प्रसंग

13. गोविंद प्रसाद – कविता के सम्मुख

14. चंचल चौहान – मुक्तिबोध के प्रतीक और बिंब

15. उमाकांत गुप्ता – नई कविता के प्रबंध काव्य शिल्प और जीवन दर्शन

16. रश्मि कुमार – नई कविता के मिथक काव्य

17. नई कविता : निराला ,अज्ञेय और मुक्तिबोध

18. विद्या सिन्हा – नई कविता की चिंतन भूमि – उषा चौहान

19. शशि शर्मा – समकालीन हिंदी कविता : अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में

20. मनोरमा मिश्र – मिथलीय चेतना : समकालीन संदर्भ

21. रमेश कुंतल मेघ – मिथकता से आधुनिकता तक

भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन – 2008.

1. संपादक ,यतींद्र मिश्र. – कुँवरनारायण, –संसार

2. कुँवरनारायण , – उपस्थिति ,संपादक ,यतींद्र मिश्र. भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन – 2008.

राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली – 2007

1 नंदकिशोर नवल , कविता : पहचान का संकट

2 प्रभाकर क्षोत्रिय – कवि परंपरा : तुलसी से त्रिलोचन

राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली –– 2000

1 रामविलास शर्मा – नई कविता और अस्तित्ववाद

2 नामवर सिंह – छायावाद

3 रामविलास शर्मा – 'निराला' की साहित्य साधना भाग 1,2,3

4 नंदकिशोर नवल – समकालीन काव्य यात्रा

5 नंदकिशोर नवल – मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना

तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली – 2008

1 ए अरविंदाक्षण – समकालीन हिंदी कविताई

2. अशोक बाजपेयी – कविता का जनपद

3. केदारनाथ सिंह – आधुनिक हिंदी कविता में बिंबविधान

4. नंदकिशोर नवल– निराला और मुक्तिबोध : चार लम्बी कविताएँ

5. कृष्णमुरारी मिश्र – आद्यबिंब और नई कविता

6. देवेंद्र शुक्ल– कविता में विशेषण : आधुनिक संदर्भ

7. डॉ. युद्धवीर धवन – समकालीन लम्बी कविता की पहचान

8. नंदकिशोर नवल – निराला और मुक्तिबोध चार लम्बी कविताएँ

9. डॉ. सुरेश ऋतुपञ्ज – मुक्तिबोध की काव्यसृष्टि, तक्षशिला प्रकाशन ,नई दिल्ली – 2008

लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद – 2008

1 डॉ. इंद्रराज सिंह – छायावाद और उसके कवि

2. नंददुलारे बाजपेयी – कवि निराला

3. डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी – काव्य भाषा पर तीन निबंध

4. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित – छायावादी काव्य का व्यावहारिक सौदर्य शास्त्र

5. डॉ रामकमल राय – हिंदी कविता का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

6. डॉ रामस्वरूप चतुर्वेदी – आधुनिक कविता यात्रा

7. डॉ अशोक सिंह – समकालीन कविता : एक विश्लेषण

सरस्वती पुस्तक सदर , आग्रा

1. प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड

हरियाणा साहित्य अकादमी , चंदीगढ

1. डॉ. लल्लन राय – हिंदी की प्रगतिशील कविता ,

2. समकालीन कवि तथा काव्य : डॉ. रणधीर

किताबघर प्रकाशन,नई दिल्ली

1 कृष्णदत्त पालीवाल – स्त्री –विमर्श के स्वर

2. समकालीन कवि तथा काव्य : डॉ. रणधीर

---

प्रश्नपत्र का स्वरूप कुल - 100 अंक

प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

**Note** : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

## Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम्. फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र - III ( वैकल्पिक )

### राजभाषा हिंदी

उद्देश :-

- 'राजभाषा हिंदी' की स्थिति , नीति, अनुपालन का अध्ययन कराना ।
- स्वतंत्रतापूर्व राजकीय व्यवहार के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय कराना ।
- स्वातंत्र्योत्तरकाल में 'राजभाषा' के रूप में हिंदी के प्रचलन संबंधी के प्रयत्नों का परिचय कराना।
- राजभाषा विषयक समस्याओं से परिचित कराना ।
- राजभाषा अनुपालन के विविध क्षेत्रों की जानकारी कराना ।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूपों का परिचय कराना ।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक रूप के प्रयोग द्वारा रोजगार उपलब्ध कराने के अवसरों की जानकारी दिलवाना ।

### **इकाई - I** – हिंदी की स्थिति तथा स्थान

i) स्वतंत्रतापूर्व राजकीय व्यवहार के रूप में हिंदी की स्थिति

ii) स्वतंत्रता पश्चात् 'राजभाषा' के रूप में हिंदी के प्रचलन विषयक प्रयत्न

### **इकाई - II -** राजभाषा नीति और कार्यान्वयन

i) राजभाषा नीति और कार्यान्वयन : संवैधानिक और सांविधिक प्रावधान

ii) राजभाषा अनुपालन के विविध क्षेत्र : सचिवालय, विधान सभाएँ, मंत्रालय, शिक्षालय, लोकसेवा आयोग, न्यायालय, भारतीय जनसंचार माध्यम आदि.

### **इकाई - III -** राजभाषा : प्रयोजनमूलक स्वरूप

i) प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध रूप

ii) राजभाषा : अनुवाद की हिंदी, यांत्रिक सुविधाएँ, सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी

### **इकाई - IV -** राजभाषा : लिपि और समस्याएँ

i) राजभाषा : देवनागरी लिपि और सामासिक प्रकृति

ii) भारत की राजभाषा समस्याएँ

संदर्भ पुस्तकें :

1) राजभाषा हिंदी , प्रकाशन विभाग, ग्रह मंत्रालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार

2) राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार , डॉ. रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन ,पटना , 1988

3) प्रयोजनमूलक हिंदी , डॉ. महेंद्रसिंह राणा , आग्रा

4) प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त औूर प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006

5) हिंदी भाषा का उद्गम और विकास, डॉ. उदय नारायण तिवारी

6) हिंदी भाषा , इतिहास और स्वरूप, डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004

7) हिंदी भाषा, आ.महावीर प्रसाद द्विवेदी, दिवि इंटरनैशनल,नई दल्ली, 2004

---

| प्रश्नपत्र का स्वरूप | कुल - 100 अंक |
|---|---|
| प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) | - 20 अंक |
| प्रश्ऩ 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) | - 20 अंक |
| प्रश्ऩ 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) | - 20 अंक |

प्रश्न 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

**Note** : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

## Course Work
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम्. फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र क्रमांक - III ( वैकल्पिक )

## उपन्यास विधा

उद्देश्य -

- हिंदी उपन्यास साहित्य के उद्गम, ,विकास का अध्ययन कराना ।
- हिंदी उपन्यास साहित्य की विकास प्रक्रिया के समसामयिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- हिंदी उपन्यास साहित्य पर पडे विभिन्न प्रभावों का अध्ययन कराना ।
- हिंदी उपन्यास साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को पठित लेखकों / लेखिकाओं के महत्त्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

---

### इकाई - I - हिंदी उपन्यास का उद्भव तथा विकास

i) हिंदी उपन्यास का उद्गम तथा विकास
ii) हिंदी उपन्यास का विकास प्रक्रिया का समसामयिक परिवेश
iii) हिंदी उपन्यास का तात्विक अध्ययन
iv) हिंदी उपन्यास का शिल्प विधान

### इकाई - II - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग I

i) ‘कल्याणी’ , जैनेंद्र
ii) ‘अमिता’ , यशपाल

## **इकाई - III** - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग II

i) ‘कटरा बी आरज़ू’ , राही मासूम रज़ा
ii) ‘नीला चाँद’ , शिवप्रसाद सिंह

## **इकाई - IV** - अध्ययनार्थ कृतियाँ- भाग III

i) ‘मैला आंचल’ , फणीश्वरनाथ रेणु
ii) ‘कथा सतीसर’ , चंद्रकांता

---

संदर्भ पुस्तकें :

1) जैनेंद्र , कल्याणी , नीलाभ प्रकाशन , इलाहाबाद

2) यशपाल , अमिता , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबद

3) राही मासूम रज़ा , कटरा बी आरज़ू , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

4) शिवप्रसाद सिंह , नीला चाँद , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

5) चंद्रकांता , कथा सतीसर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

6) डॉ. इंद्रनाथ मदान, आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

7) डॉ. नवलकिशोर , आधुनिक हिंदी उपन्यास और मानवयि आर्थवत्ता

8) डॉ. भीष्म साहनी, रामजी मिश्र , भगवतीप्रसाद निदारिया (संपा.),जाकिर हुसेन कालेज, दिल्ली

9) डॉ. सुषमा धवन , हिंदी उपन्यास , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

10) डॉ. शिवनारायण श्रीवास्तव, हिंदी उपन्यास, सरस्वती मंदीर, वाराणसी

11) डॉ. रामचंद्र तिवारी , हिंदी का गद्य साहित्य , विस्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

11) डॉ. भारतभूषण अग्रवाल , हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव ,ऋषभचरण जैन एवं सन्तति, दिल्ली

12) डॉ. गोपाल राय , हिंदी उपन्यास का इतिहास , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

13) डॉ. गोपाल राय , उपन्यास की संरचना , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

14) डॉ. रामदरश मिश्र , हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

---

प्रश्नपत्र का स्वरूप कुल - 100 अंक

प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

Note : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

---

## Course Work
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम्. फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र क्रमांक - III ( वैकल्पिक )

## कहानी विधा

उद्देश्य -

- हिंदी कहानी साहित्य के उद्गम, , विकास का अध्ययन कराना ।
- हिंदी कहानी साहित्य की विकास प्रक्रिया के समसामयिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- हिंदी कहानी साहित्य पर पडे विभिन्न प्रभावों का अध्ययन कराना ।
- हिंदी कहानियों का शैल्पिक अध्ययन करना ।
- हिंदी कहानी साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को पठित लेखकों / लेखिकाओं के महत्त्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

---

### **इकाई - I - कहानी उद्भव एवं विकास**

i) हिंदी कहानी का उद्गम तथा विकास एवं विविध आंदोलन
ii) हिंदी कहानी की विकास प्रक्रिया का समसामयिक परिवेश
iii) हिंदी कहानी का तात्विक अध्ययन
iv) हिंदी कहानी का शिल्प विधान

## इकाई - II - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग I

i) 'परिन्दे' , निर्मल वर्मा
ii) 'आकारों के आसपास' , कुँवर नारायण

## इकाई - III - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग II

i) ' बयान ' , कमलेश्वर
ii) 'कर्फ्यू' तथा अन्य कहानियाँ , नमिता सिंह

## इकाई - IV - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग III

i) 'उससे पूछो' , जया जादवानी
ii) 'मुक्ति' , अखिलेश

संदर्भ पुस्तकें :

1) निर्मल वर्मा , 'परिन्दे' , भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

2) कुँवर नारायण , 'आकारों के आसपास' , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली

3) कमलेश्वर , 'बयान' , किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

4) नमिता सिंह , कर्फ्यू' तथा अन्य कहानियाँ , शिल्पायन , नई दिल्ली , 2011

5) जया जादवानी , 'उससे पूछो' , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

6) डॉ. विवेक राय , हिंदी कहानी : समीक्षा और संदर्भ, राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद

7) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल ,हिंदी कहानी की शिल्प विधा का विकास, साहित्य भवन , इलाहाबाद

8) रजनीश कुमार , हिंदी कहानी के आंदोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएँ , नेशनल पब्लिशिंग हाऊस , दिल्ली

9) जैनेंद्र कुमार , कहानी : अनुभव और शिल्प , पूर्वोदय प्रकाशन , दिल्ली

10) डॉ. नामवर सिंह , कहानी : नयी कहानी , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद

11) डॉ. गोपाल राय , हिंदी कहानी का इतिहास , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

12) अखिलेश , मुक्ति , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप कुल - 100 अंक

प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्ऩ 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

प्रश्ऩ 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्ऩ 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

**Note :** 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

## Course Work

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम. फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र क्रमांक - III ( वैकल्पिक )

## नाटक विधा

उद्देश्य -

- हिंदी नाटक साहित्य के उद्गम,, विकास का अध्ययन कराना ।
- हिंदी नाटक साहित्य की विकास प्रकिया के समसामयिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- हिंदी नाटक साहित्य पर पडे विभिन्न प्रभावों का अध्ययन कराना ।
- हिंदी नाटकों का शैल्पिक अध्ययन करना ।
- हिंदी नाटक के मंचन से अवगत कराना ।
- हिंदी नाटक साहित्य की विशिष्ट कृतियों का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को पठित लेखकों / लेखिकाओं के महत्त्व एवं उसके सामाजिक दायित्त्व बोध से परिचित कराना ।

---

### इकाई - I - हिंदी नाटक का उद्भव तथा विकास

i) हिंदी नाटक का उद्गम तथा विकास एवं विविध विचारधाराओं का प्रभाव
ii) हिंदी नाटक की विकास प्रक्रिया का समसामयिक परिवेश
iii) हिंदी नाटक का तात्त्विक अध्ययन

iv) हिंदी नाटक का शिल्प विधान
v) हिंदी नाटक की मंचीयता

**इकाई - II** - अध्ययनार्थ रचनाएँ - भाग I

i) 'युगे - युगे क्रांति' , विष्णु प्रभाकर
ii) 'आषाढ का एक दिन' , मोहन राकेश

**इकाई - III** - अध्ययनार्थ रचनाएँ - भाग II

i) 'माधवी' , भीष्म साहनी
ii) 'आठवाँ सर्ग' , सुरेंद्र वर्मा

**इकाई - IV** - अध्ययनार्थ रचनाएँ - भाग III

i) 'यमगाथा' , दूधनाथ सिंह
ii) 'दिल्ली ऊँचा सुनती है' , कुसुमकुमार

---

संदर्भ पुस्तकें :

1) विष्णु प्रभाकर , युगे - युगे क्रांति,

2) भीष्म साहनी , माधवी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

3) सुरेंद्र वर्मा , आठवाँ सर्ग, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली

4) दूधनाथ सिंह , यमगाथा , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5) कुसुमकुमार , दिल्ली ऊँचा सूनती है

6) डॉ. विश्वनाथ मिश्र , हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7) डॉ. गिरीश रस्तोगी , समकालीन हिंदी नाटककार , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

8) डॉ. दशरथ ओझा , आज का नाटक : प्रगति और प्रभाव , राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

9) डॉ. दशरथ ओझा , हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

10) डॉ. रामचंद्र तिवारी , हिंदी का गद्य साहित्य , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

11) जगदीशचंद्र माथुर , परम्पराशील नाट्य , राजकामल प्रकाशन , नई दिल्ली

12) डॉ़ गिरीश रस्तोगी , हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का स्वरूप कुल - 100 अंक

प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

**Note** : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.

## Course Work
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर

पीएच.डी / एम. फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र क्रमांक - III ( वैकल्पिक )

## कथेतर साहित्य

उद्देश्य -

- कथेतर साहित्य का उद्गम, विकास का अध्ययन कराना ।
- कथेतर साहित्य की विकास प्रकिया के समसामयिक परिवेश का अध्ययन कराना ।
- कथेतर साहित्य की विशेषताओं तथा तत्वों का अध्ययन कराना ।
- कथेतर साहित्य की विशिष्ट रचनाओं का अध्ययन कराना ।
- छात्रों को पठित लेखकों /लेखिकाओं के महत्त्व एवं उसके सामाजिक दायित्व बोध से परिचित कराना ।

---

### इकाई - I - हिंदी कथेतर साहित्य उद्भव तथा विकास

i) कथेतर साहित्य - निबंध, संस्मरण,रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज,यात्रा साहित्य का उद्गम तथा विकास ।
ii) कथेतर साहित्य की विकास प्रक्रिया के समसामयिक परिवेश ।
iii) कथेतर साहित्य की विशेषताएँ , तत्त्व ।
iv) कथेतर साहित्य का शिल्प - विधान ।

**इकाई - II - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग I**

i) शृंखला की कडियाँ (निबंध) - महादेवी वर्मा

ii) तना हुआ इंद्रधनुष (यात्रा साहित्य) - रामदरश मिश्र

**इकाई - III - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग II**

i) सिंहावलोकन ( आत्मकथात्मक संस्मरण) - यशपाल

ii) कलम का सिपाही (जीवनी) - अमृतलाल नागर

**इकाई - IV - अध्ययनार्थ कृतियाँ - भाग III**

i) संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ (संस्मरण ) - रामधारी सिंह दिनकर

ii) 'माटी के मुरते' ( रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी

---

संदर्भ पुस्तकें :

1) महादेवी वर्मा , शृंखला की कडियाँ, लोकभारती प्रकाशन ,नई दिल्ली

2) रामदरश मिश्र, तना हुआ इंद्रधनुष, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली

3) यशपाल, सिंहावलोकन,लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली

4) अमृतलाल नागर, कलम का सिपाही ,

5) रामधारी सिंह दिनकर , संस्मरण और श्रद्धांजलियाँ,

6) डॉ. रामचंद्र तिवारी, हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2000

7) डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी , हिंदी साहित्य : संवेदना और समय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005

8) डॉ. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998

---

प्रश्नपत्र का स्वरूप कुल - 100 अंक

प्रश्न 1 : संक्षिप्त उत्तर लिखिए (चार में से दो ) - 20 अंक

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - 20 अंक

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ लिखिए (चार में से दो ) - **20 अंक**

प्रश्न 4 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ ) - **20 अंक**

**Note** : 80 Marks for theory exam and for 20 marks for presentation of review of published papers in National / International Journals for Ph.D. course work and 10 + 10 marks seminar and review of paper respectively for M.Phil Course.